

सूचना और प्रसारण मंत्री (डा० के.ए.के.) .

(क) प्रायकलन समिति (Estimates Committee) की सूची रिपोर्ट के ६८ वें परिच्छेद में उल्लिखित २३ फिल्मों में से फिल्म विवीचन १२ फिल्मों पहले ही बना चुका है। इनके अलावा दो फिल्मों खरीदी गई हैं और आठ तैयार हो रही हैं, जब कि क फिल्म सूची में से निकाल दी गई है।

(ख) चार। बाकी की आठ प्रदर्शन के लिये भेजी जा रही है।

(ग) चलचित्र "बनारस" रगिन (गेवाकलर) है।

दिल्ली नगरपालिका द्वारा विदेशी प्रतिष्ठानों का स्वागत

६७८. श्री मजल प्रभाकर क्या प्रधान मंत्री ५ दिसम्बर, १९५७ के प्रतारकित प्रश्न सख्या ११८७ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेगा कि

(क) क्या केन्द्रीय सरकार ऐसे समारोहों पर होने वाले व्यय का ब्यौरा मागती है; और

(ख) यदि हा, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

प्रवाल मंत्री तथा वैदेशिक कार्य तथा विस्त मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू)

(क) और (ख) दिल्ली म्युनिसिपल कमिटी को तदर्थ आधार (ऐडवाक बसिस) पर एक लाख रुपये का अनुदान (ग्रांट) दिया गया था। कमिटी ने जो खर्च किये, उनका पूरा-पूरा ब्यौरा नहीं मागा गया था, लेकिन हमें सूचित किया गया कि जो खर्च हुये, वे सरकारी अनुदान से कही ज्यादा थे।

Indian Cinema Halls in Rangoon

679. Dr. Ram Subhag Singh: Will the Prime Minister be pleased to state:

(a) whether Government are aware that some Indian Cinema Halls in Rangoon have been served with closure notices; and

(b) if so, the causes thereof?

The Prime Minister and Minister of External Affairs and Finance (Shri Jawaharlal Nehru: (a) and (b). Yes, Sir The owners of four Indian Cinema Halls in Rangoon were served with closure orders as they failed to show Burmese films for the minimum period of 60 days in a year, as required under the Burmese laws.

भारत साधु समाज

६८०. { श्री अक्षय वर्मान
श्री स० च० सामन्त :

क्या योजना मंत्री १० दिसम्बर, १९५७ के ताराकित प्रश्न सख्या ६७५ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) भारत साधु समाज ने अपने अहमदाबाद वाले अधिवेशन में जो संकल्प पारित किये थे, क्या इस बीच उन पर विचार कर लिया गया है,

(ख) यदि हा, तो प्रत्येक संकल्प के बारे में क्या सहायता व सहयोग देने का विचार है ;

(ग) यदि नहीं, तो क्या कारण है ; और

(घ) कब तक निर्णय हो जाने की आशा की जाती है ?

श्री कृष्णा उपमन्त्री (श्री क्या० न० बिष) :

(क) जी नहीं।

(ख) आर्थिक सहायता के विषय में गैर सरकारी स्वयंसेवी संघठनों द्वारा स्वीकृत प्रस्तावों की दृष्टि से नहीं अपितु निश्चित